प्रथम दो जार्जों के समय इंगलैण्ड में कैबिनेट शासन के विकास का उल्लेख कीजिए ?

प्रथम दो जार्जों का शासन इंगलैण्ड के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय माना जाता है क्योंकि संसदीय शासन के विकास और सुदृढ़ बनाने में इंगलैण्ड के कैबिनेट शासन पद्धति का विशेष योगदान रहा है। क्योंकि इस पद्धति का बीजारोपण चार्ल्स I के समय ही हो गया था यह बीज फल बना हैनोवर वंश के प्रथम दो जार्जों के समय दोनों को न अंग्रेजी का ज्ञान था और न सीखने का प्रयास किया जिस कारण दोनों कैबिनेट की मिटिंग नहीं बैठते थे राजा की अनुपस्थिति में कैबिनेट के अध्यक्ष मंत्री करता था जिस कारण राजा मंत्री के सलाह पर ही कैबिनेट का गठन करना शुरू किया उदाहरण के लिए वालपोल ऐसा ही व्यक्ति था जो एक प्रकार आधुनिक प्रधान मंत्री के समान कार्य किया।

इस प्रकार जब दोनों जार्जो अपने शासन का कार्यभार कैबिनेट पर छोड़ दिया तब स्वाभाविक रूप से कैबिनेट प्रणाली का विकास हुआ जिसका परिणाम यह हुआ कि मंत्री बिना भय के खुलकर शासन सम्बन्धी नीतियों पर विचार करना शुरू किया शासन सुचारू रूप से चलना प्रारम्भ हुआ इंगलैण्ड के राजनीति में नयी-नयी नीति प्रकाश में आई

1. प्रमुख के पद का आविर्भाव → इंगलैण्ड में

दलीय भावना का विकास हुआ जिसके फलस्वरूप दल का मार्गदर्शन के लिए अनुभवी एवं योग्य व्यक्ति को अपना प्रमुख बनाया धीरे-धीरे वह शक्तिशाली हो गया और प्रधानमंत्री पद की स्थापना हुई।

मंत्रियों का उत्तरदायित्व → इंग्लैंड के इतिहास में ऐसा पहला अवसर आया कि दोनों जार्ज शासन कार्य में कोई हस्तक्षेप नहीं किया। मंत्रीगण ही सम्पूर्ण कार्य करता राजा केवल हस्ताक्षर करता था संसद के सभी नियम पारित करने का उत्तरदायित्व मंत्रियों पर होता था यथार्थ में राजा का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व मंत्रियों पर आ गया।

सम्राट के विशेषाधिकार का अन्त → प्रारम्भ में सम्राट

को अधिकार था कि कोई बिल पर हस्ताक्षर न कर वापस कर सकता था लेकिन अब स्थिति बदल गई थी अब मंत्रीगण जो भी बिल पास करता राजा को हस्ताक्षर करना पड़ता था।

हाउस ऑफ कॉमन्स की प्रधानता → पहले की अपेक्षा अब लोकसभा या कॉमन सभा की प्रधानता बढ़ गई थी शासन की सारी जिम्मेवारी मंत्रियों पर थी, मंत्री को पद पर बने रहना कॉमन सभा पर निर्भर करता था यदि मंत्री को कॉमन सभा का विश्वास मत प्राप्त नहीं होता था तो पद

से ८८ लागू पड़ता था।

ये सब होते हुए यह कहा जाता है कि 18वीं सदी में कैबिनेट प्रणाली पूर्णतया विकसित नहीं हो पायी थी। संयुक्त राज्य के संविधान निर्माताओं ने इसका संदर्भ नहीं लिया है जो भी हो इसका संदेह नहीं कि इंग्लैण्ड की मंत्रिमंडल प्रणाली ने कई देशों को प्रभावित किया। फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, आस्ट्रिया, पोलैण्ड, चेकोस्लोवाकिया और हिन्दुस्तान ये सब देश इसका अनुसरण किया

यह प्रणाली प्रजातंत्र के विकास और सुदृढ़ बनाने में अंग्रेजों के महान योगदानों में से एक है।